मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि

पाठ्यक्रम को सहज बनाती बेसिक की कविताएं

मई- 2026

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान

संकलन कर्ता
काव्यांजलि टीम,
मिशन शिक्षण संवाद

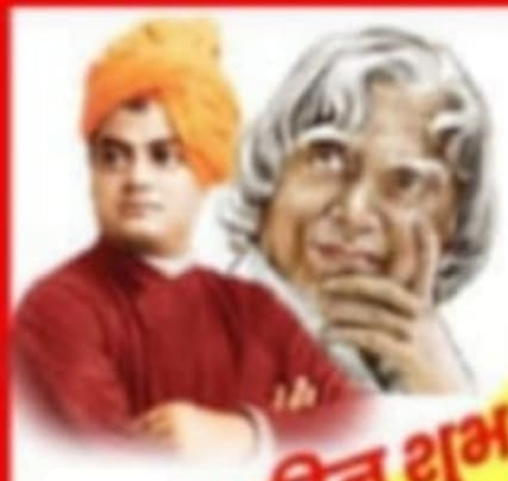

आपका दिन शुभ हो।

दिनांक
01 मई

कार्यांजलि
2821

दिन
शुक्रवार 01 मई

कक्षा- 5 विषय- सामाजिक विषय पाठ- 2

ब्रेल लिपि

आओ बच्चों! तुम्हें बताएँ,
जो देख नहीं सकते उन्हें पढ़ाएँ।
ज्ञान का दीप जलाना है,
सबको आगे बढ़ाना है।।

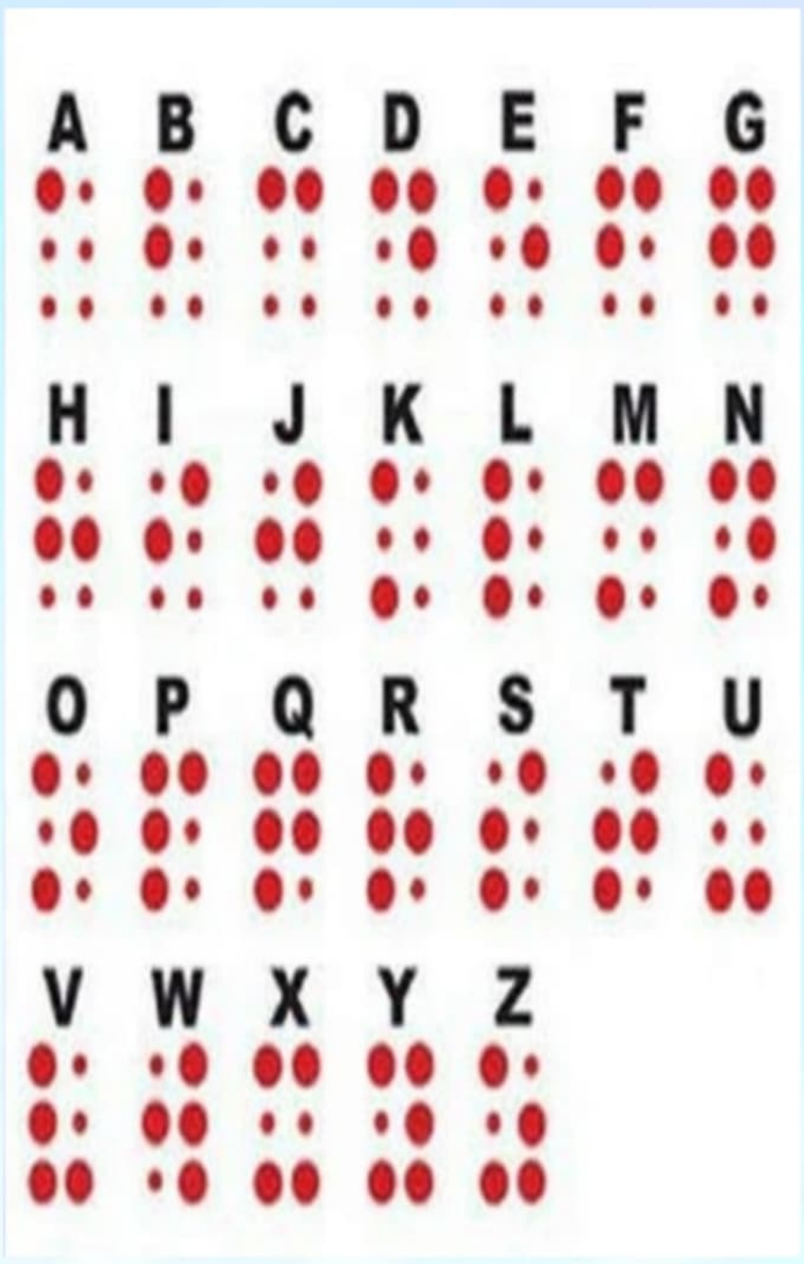

कागज़ पर उभरे बिन्दुओ को छूकर,
जिससे पढ़ा जाता है।
स्पर्श से मिलता है जो ज्ञान,
उसे ब्रेल लिपि कहा जाता है।।

फ्रांस देश के रहने वाले,
लूई ब्रेल थे महान।
आँखों में चोट लग जाने पर भी,
नहीं छोड़ा उन्होंने ज्ञान।।

पढ़ने का था उन्हें बहुत शौक,
सोचा एक नया उपाय।
ऐसी विधि उन्होंने खोजी,
जिससे हर कोई पढ़ पाए।।

रचना:-

रुखसार परवीन (स०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय गजपतिपुर
बहराइच, उत्तर प्रदेश

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान।

दिनांक 02.05.2026

काव्यांजलि

2822

दिन शनिवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 2, विषय- हिंदी, पाठ- 12

किसान

अभी न देखो चिड़िया जागी,
न सूरज ने लाली फैलाई।
सबसे पहले जो उठ बैठा,
वह हैं हमारे किसान भाई।।

जाड़ा, गर्मी, भरी बरसात,
काम करें यह दिन-रात।
कांधे पर हल को रखकर,
बैल को लेकर चलते साथ।।

कठिन परिश्रम करें किसान,
कभी नहीं इनको आराम।
जोते, बोये, फसल को काटे,
कई-कई रातें जब यह जागें।।

खेतों पर जाकर तुम देखो,
मेहनत की नही कोई मिसाल।
चेहरे में मुस्कान है प्यारी,
सबसे अच्छे भाई किसान।।

रचना:-

शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० भौंरी- 1
मानिकपुर, चित्रकूट

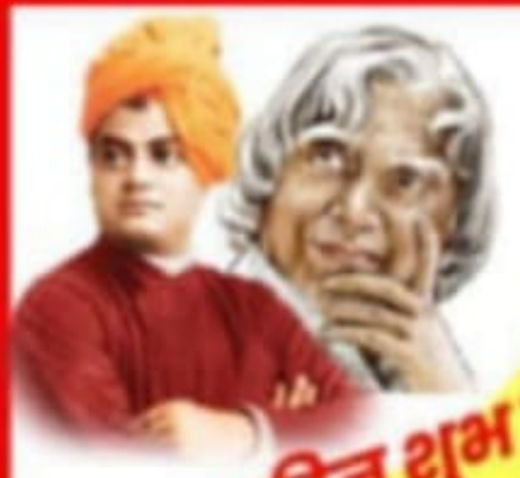

दिनांक 04.05.2026

काव्यांजलि 2823

दिन सोमवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 04 विषय- वीणा पाठ-02

घोंघे की नई दुनिया

एक बगीचा छोटा सा था,
सुंदर उसका कोना।
वहीं एक नन्हा सा घोंघा,
करता अपना रोना।।

बगीचे की उस दुनिया को ही,
सच वह मान चुका था।
पर दीवार के छेद के पीछे, क्या है?
यह न जान सका था।

याद आई माँ की वह बातें,
"बाहर कभी न जाना तुम"।
दुनिया है वह बड़ी निराली,
धोखा कभी न खाना तुम।।

पर घोंघे के मन में जागी,
एक अनोखी प्यास नई।
देखूँगा बाहर क्या-क्या है,
यह हिम्मत उसने खास करी।।

रचना:-

सुधांशु श्रीवास्तव(स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय मणिपुर
ऐरायां, फतेहपुर

काव्यांजलि

2824

दिनांक 05.05.2026

दिन मंगलवार

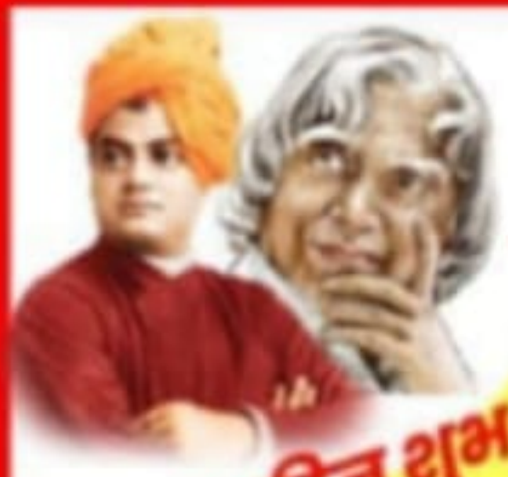

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 06 **विषय- विज्ञान** **पाठ- 1**

प्रकरण- दैनिक जीवन में विज्ञान (भाग-2)

विज्ञान अपने दैनिक जीवन में,
आस-पास से सिखलाता।
बच्चों को जिज्ञासु बनाता है,
आधारभूत तत्वों से अवगत कराता।।

इस पाठ में हमने पढ़ा है,
विज्ञान केवल प्रयोगशाला में नहीं।
सांस लेना, चलना, रुकना भी,
दैनिक जीवन की क्रियाएँ सभी।।

बृद्धि जीवों में जो मिलती,
पौधों में भी होती है।
सभी सजीव है कहलाते हैं,
यह पहचान भी होती है।।

विद्यार्थी कुछ प्रश्न जो पूछे,
घटना को देखकर के।
कैसे और क्यों यह होता,
समझे स्वयं खोजकर के।।

रचना:-

नैमिष शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
वि० ख० एवं जिला- मथुरा

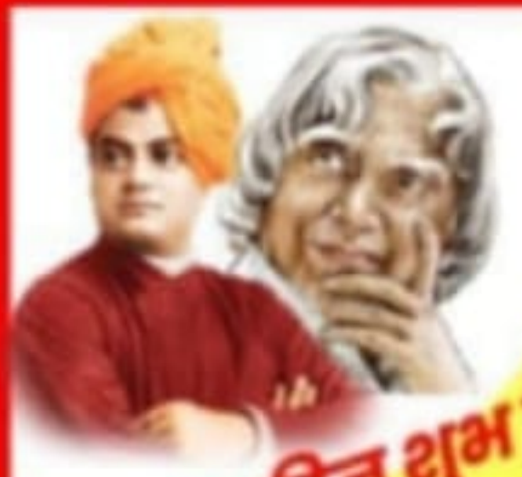

आपका दिन शुभ हो।

दिनांक
06.05.2026

काव्यांजलि
2825

दिन
बुधवार

राजधर्म

पाठ-02, भाग-04

पुनः दिये राजा को गोदे,
बोधिसत्व सके नहीं पहचान।
खाते ही थूके राजा ने,
पूछा कारण बन अनजान।।

भन्ते! क्यों हैं कड़वे गोदे,
इसका कारण दें बतलाय।
बोले शान्तचित्त बोधिसत्व,
राजा अधर्मी करे अन्याय।।

जान लिया राजा ने कारण,
कर्मों का हो प्रभाव तत्काल।
लौट गया यह निश्चय करके,
प्रजा का रखूँगा बहुत ख़याल।।

न्याय, धर्म से राज्य चलाया,
गोदे फिर मीठे कर लाया।
प्रजा हुई खुशहाल वहाँ की,
धन-धान्य तब सबने पाया।।

रचना:-
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

काव्यांजलि

2826

दिनांक 07/05/2026

दिन गुरुवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 4 विषय- अंग्रेजी पाठ- 01

Together We Can

मजबूती से और ऊँचा,
हम खड़े हैं साथ में।
गिरें कभी ना हम,
मदद हो एक दूजे का ठाठ में।।

बोल-बोल कर जय-जय करते,
हम चिल्लाते गाते और।
मिलकर काम करें तो पा सकते,
हम विजय किसी भी ओर।।

जीत या हार हो बाँटें हर पल,
बन्धन हमारा विश्वास का।
निहित है रहता खुशी या गम हो,
हमें भरोसा साथ का।।

Unit 1: My Land

1 Together We Can

Let us Recite

Together we stand, strong and tall,
Helping each other, we never fall.

Cheering aloud, we shout and sing,
Teamwork can overcome anything.

Win or lose, we always share,
Our bond of trust is always there.

With each hand joined, the goal is near,
Team spirit fills the air with cheer.

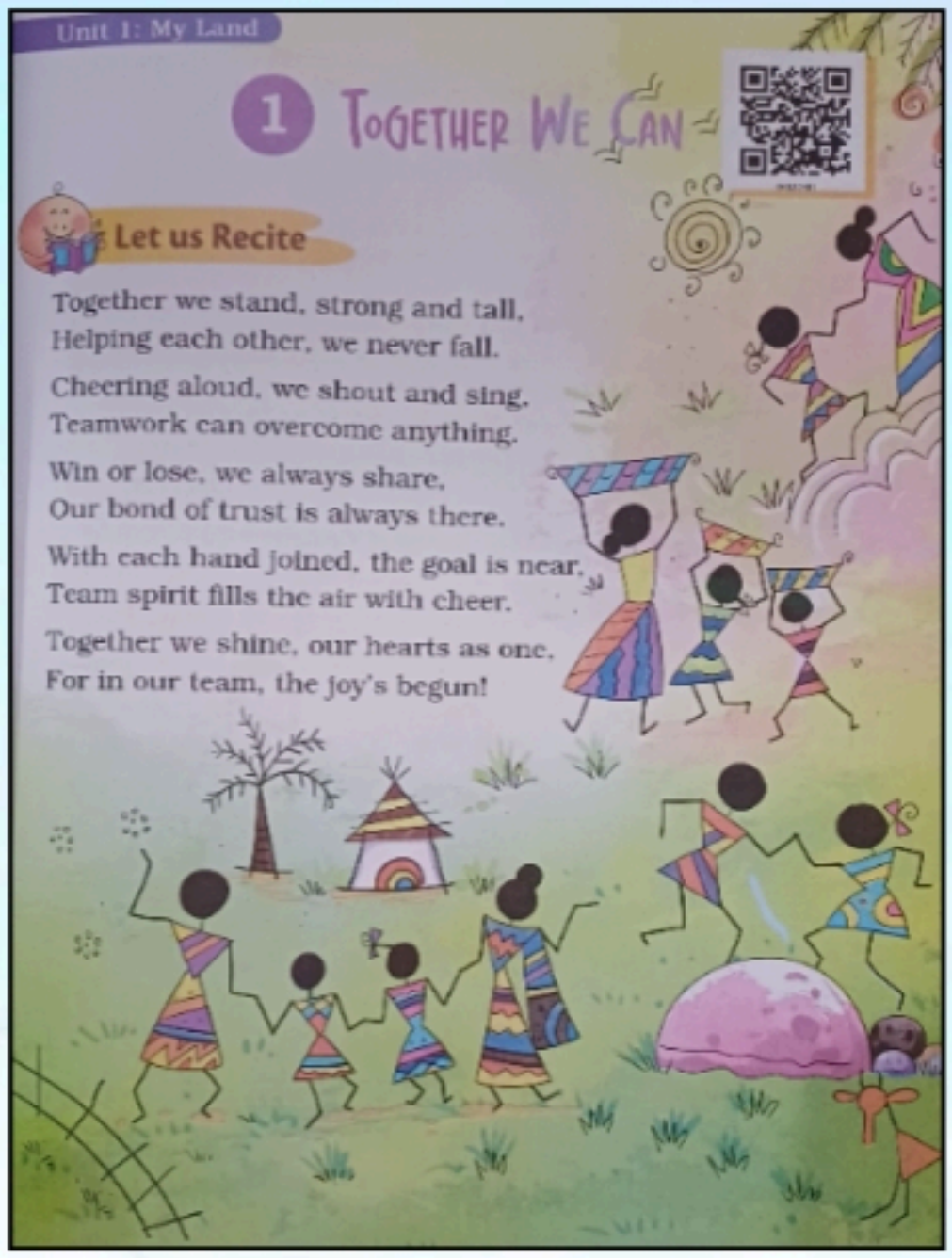

Together we shine, our hearts as one,
For in our team, the joy's begun!

हो हाथों में हाथ तो,
हो जाए लक्ष्य नजदीक।
टीम भावना हममें भरती,
खुशहाली और प्रीत।।

साथ-साथ हम चमकें,
क्योंकि दिल हमारे एक।
हमारी टीम के लिए शुरू हो,
खुशियों का अतिरेक।।

रचना:-
अरविन्द कुमार सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० धवकलगंज
बड़ागाँव, वाराणसी

आपका दिन शुभ हो।

दिनांक 08 मई 2026

काव्यांजलि

2827

दिन शुक्रवार

भूगोल पाठ- 1 कक्षा- 6

हमारा सौरमण्डल (ग्रह)

अपने तारे के चारो ओर,
अपनी कक्षा में चक्कर लगाते।
यही तो हैं आकाशीय पिण्ड,
यह सब ग्रह भी हैं कहलाते।।

न प्रकाश न ही है उष्मा,
बताओ फिर चमकते हैं कैसे।
सूर्य प्रकाश से हैं प्रकाशित,
लगाते चक्कर पृथ्वी के जैसे।।

बुध, शुक्र, पृथ्वी, मंगल,
सौर मण्डल में ग्रह हैं आठ।
वृहस्पति, शनि, अरुण, वरुण,
याद कर लो पढ़कर पाठ।।

अपनी धुरी पर सब घूमते,
सूर्य का लगाते हैं चक्कर।
शुक्र-अरुण को छोड़ लगाते,
सूर्य के विपरीत लगाते चक्कर।।

रचना:-

रुखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट स्कूल अहरौरा
जमालपुर, मीरजापुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान।

काव्यांजलि
2828

दिनांक
09.05.2026

दिन
शुक्रवार

आपका दिन शुभ हो।

पाठ- 10
भाग- 01

कक्षा- 05 विषय- प्रकृति

पेड़-पौधों का भोजन

प्यारे बच्चों! हरे पेड़-पौधे,
अपना भोजन स्वयं बनाते हैं।
इसीलिए ये हरे पेड़-पौधे,
'स्वपोषी' कहलाते हैं।।

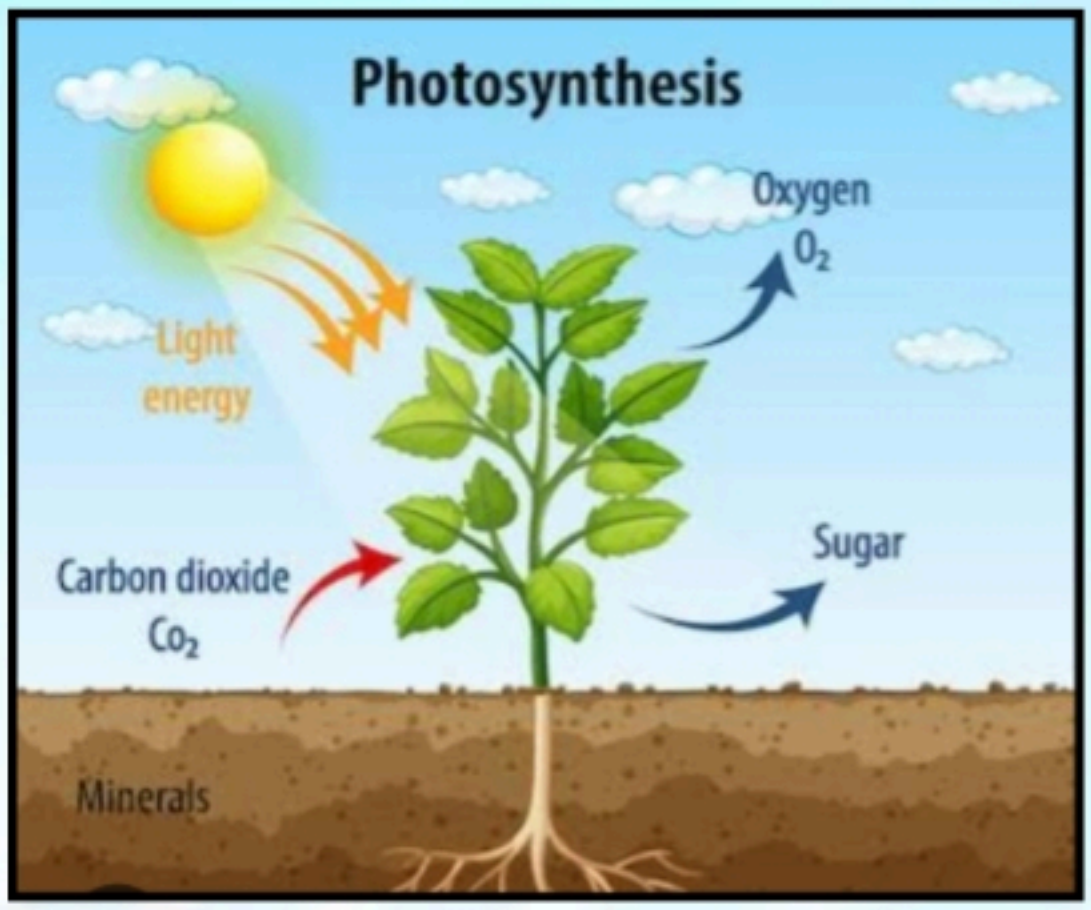

हरे पौधे की पत्तियों में,
क्लोरोफिल पाया जाता है।
क्लोरोफिल सूर्य की ऊर्जा को,
पत्तियों में एकत्रित करता है।।

CO2, लवण और जल को,
पेड़-पौधे अवशोषित कर लेते हैं।
इस भोजन बनाने की क्रिया को,
प्रकाश-संश्लेषण कहते हैं।।

प्रकाश-संश्लेषण की प्रक्रिया में,
पौधे ऑक्सीजन गैस निकालते हैं।
सभी जीव-जन्तु इस प्राण-वायु का,
श्वसन में उपयोग करते हैं।।

रचना:-

मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

दिनांक 11/05/2026

काव्यांजलि

2829

दिन सोमवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा-4 विषय-हिन्दी पाठ- 17

टेसू राजा

टेसू राजा अड़े खड़े,
माँगे काहे दही-बड़े।
कहते सीखो खेत खुदाना,
जाकर उनमें उड़द उगाना।।

हरी मनोहर फसल को प्यारे,
छान, फटककर फिर पिसवाना।
पिसकर जब पिट्ठी हो जाए,
पिट्ठी से टिकिये बनवाना।।

सिके सुनहरे टिकिये सारे,
डाल के पानी जोश दिलाना।
जोश से फूले गोल, गुलाबी,
डाल दही में नमक मिलना।।

मिर्च छिड़ककर दही बड़ों पर,
चाँदी वर्क से खूब सजाना।
टेसू राजा अड़े खड़े,
खाते देखो दही बड़े।।

रचना:-

फ़राह हारून " वफ़ा"
प्रा० वि० मढ़िया भाँसी,
सालारपुर,बदायूँ

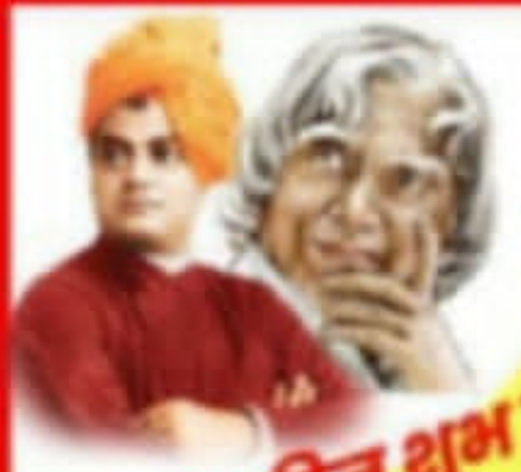

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान

दिनांक 12.05.2026

काव्यांजलि
2830

दिन मंगलवार

कक्षा- 08

विषय- विज्ञान

पाठ- 01 विज्ञान एवं तकनीकी क्षेत्र में नवीनतम प्रगति

विज्ञान एवं तकनीकी (भाग-1)

विज्ञान जगत में अति उपयोगी,
संसाधन उपलब्ध कराता।
आविष्कार नये नित करके,
समय बचत, आराम दिलाता।।

सिंचाई के पारंपरिक तरीके

खेती में है उपज बढ़ा दी,
नये, यन्त्र विकसित करके।
ट्रैक्टर जोते खेत समय पर,
कृषक बोये बीज खुश होकर के।।

पैदावार बड़ी खादों से,
नये उर्वरक कृषक पाते।
देशी-खाद के साथ-साथ,
सरकार से रियायत पर मिल जाते।।

नदियाँ, नहर, बम्बे, ट्यूबेलों से,
खेती में हरियाली आती।
सींचा जाता समय पर फसल को,
यन्त्रों से फसल काट ली जाती।।

रचना:-

नैमिष शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
ब्लॉक- नगर क्षेत्र, मथुरा

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

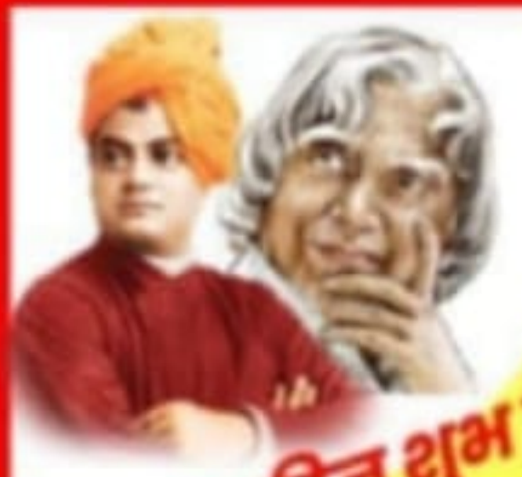

दिनांक
13.05.2026

काव्यांजलि
2831

दिन
बुधवार

आपका दिन शुभ हो।

वीरों का कैसा हो वसन्त पाठ-03, भाग-01

कह रही धरा सुन लो पुकार,
गर्जन करता है सिन्धु अपार।
है चतुर दिशा कहती अनन्त,
हिमगारि भी पूछे कहो कन्त!
वीरों का हो कैसा वसन्त?

सरसों फैली है पीत रंग,
मधु लिए खड़ा मन में उमंग।
धरती का पुलकित अंग-अंग,
हैं सजे वीर बन सभी कन्त।
वीरों का हो कैसा वसन्त?

भोली कोयल गा रही तान,
मारु बाजे का मधुर गान।
है प्रेम और रण का संगम,
कितना मधुरिम है आदि-अन्त!
वीरों का हो कैसा वसन्त?

रचना:-
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान।

आपका दिन शुभ हो।

दिनांक 14 मई 2026

काव्यांजलि

2832

दिन गुरुवार

भूगोल **पाठ- 1** **कक्षा- 6**

हमारा सौरमण्डल (पृथ्वी)

सूर्य से दूरी के क्रम में,
पृथ्वी है तीसरा ग्रह।
आकार में है पाँचवा,
है सबसे बड़ा यह ग्रह।।

मध्य में थोड़ी उभरी हुई,
लगभग है गोल आकार की।
आकार को कहते भू-भाग,
ध्रुवों पर है थोड़ी चपटी- सी।।

पृथ्वी पर ही केवल है,
जीवन जीने की अनुकूलता।
हरित ग्रह भी कहते इसे,
जल की है यहाँ अधिकता।।

अन्तरिक्ष से जब देखा गया,
नीले रंग की दिखाई देती है।
जल अधिकता के कारण ही,
नीला ग्रह भी कहलाती है।।

रचना:-

रुखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट स्कूल अहरौरा
जमालपुर, मीरजापुर

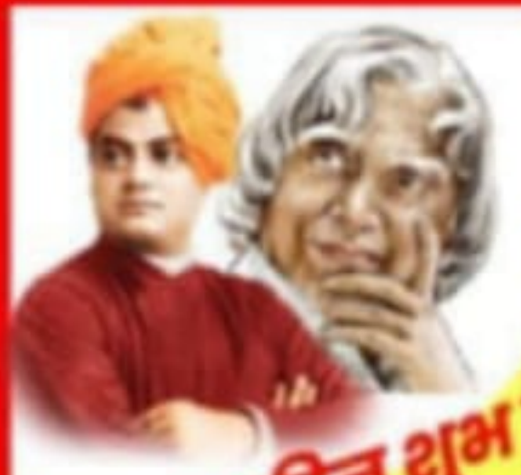

दिनांक 15.05.2026

काव्यांजलि

2833

दिन शुक्रवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 04 विषय- वीणा पाठ-02

घोंघे की नई दुनिया

भाग-02

अपना साजो-सामान बांधकर,
शंख में अपने भर लाया।
सूरज की पहली किरण संग,
वह छेद के बाहर आया।।

बाहर कदम बढ़ाते ही,
वह चकित खड़ा रह गया वहीं।
इतना बड़ा मैदान खुला था,
देखा उसने पहले नहीं।।

अचानक आवाज़ हुई 'खड़-खड़',
वह डरकर खूब चिल्लाया।
देखा तो एक सूखा पत्ता,
उसके ऊपर गिर आया।।

हँसा स्वयं पर और कहा,
"दुनिया तो बड़ी मज़ेदार है"।
हर कदम पर अचरज है,
और खुशियों की बौछार है।

रचना:-

सुधांशु श्रीवास्तव(स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय मणिपुर
ऐरायां, फतेहपुर

दिनांक 16/05/2026

काव्यांजलि

2834

दिन शनिवार

आपका दिन शुभ हो।

इकाई- 6, संख्याओं से खेल

कक्षा- 8
विषय- गणित

विभाज्यता के नियम (भाग- 1)

कविता के तार में गूँथ-गूँथ,
नियम विभाज्यता के बताती हूँ।
पहचान विभाज्य संख्याओं की,
बिना भाग संक्रिया के कराती हूँ।।

जिन संख्याओं के अंक इकाई,
सम संख्या (0, 2, 4, 6, 8) होते हैं,
संख्याएँ वे पूर्णतः विभाजित,
संख्या दो से हरदम होते हैं।।

जब संख्या के अंकों का योग,
विभाजित तीन से होता है।
फिर वह संख्या जान लो बच्चों!
विभाज्य तीन से होता है।।

यदि संख्या का अंतिम दो अंक,
विभाजित चार से होता हैं।
फिर वह संख्या बेशक ही,
विभाजित चार से होता है।।

रचना:-
सुमन सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० बिल्ली
वि० क्षे०- चोपन, सोनभद्र

आपका दिन शुभ हो।

दिनांक 18/05/2026

काव्यांजलि

2835

दिन सोमवार

कक्षा- 4 विषय- अंग्रेजी पाठ- 04

One Thing At A Time

काम के समय काम को कर लो,
खेल के समय खेलो तुम।
उपयोगी और खुश रहने का,
सही तरीका जानो तुम।।

जो भी करते हो तुम उसको,
करना पूरी ताकत से।
अधूरे मन से काम करें तो,
कभी सही ना होते वे।।

एक समय में एक काम को,
अच्छे से करते जाना।
बहुत सही है नियम यही,
जैसा कि बहुतों ने माना।।

पल-पल होते बहुत कीमती,
इन्हें कभी ना गँवाओ तुम।
काम के समय काम को कर लो,
खेल के समय खेलो तुम।।

Unit 2: My Beautiful World

4 ONE THING AT A TIME

Let us Recite

Work while you work,
Play while you play;
To be useful and happy,
That is the way.

All that you do,
Do with all your might;
Things done by halves,
Are never done right.

One thing at a time,
And that done well;
Is a very good rule,
As many can tell.

Moments should never,
Be trifled away;
So, work while you work,
And play while you play.

रचना:-
अरविन्द कुमार सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० धवकलगंज
बड़ागाँव, वाराणसी

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

दिनांक 19 मई 2026

काव्यांजलि 2836

दिन मंगलवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा 7 विषय-विज्ञान पाठ 6

पौधों में पोषण (भाग 1)

मिट्टी में जब बीज है सोता,
जीवन वहीं से जगता है।
जड़ों के माध्यम से पौधा,
जल-खनिज को चखता है।।

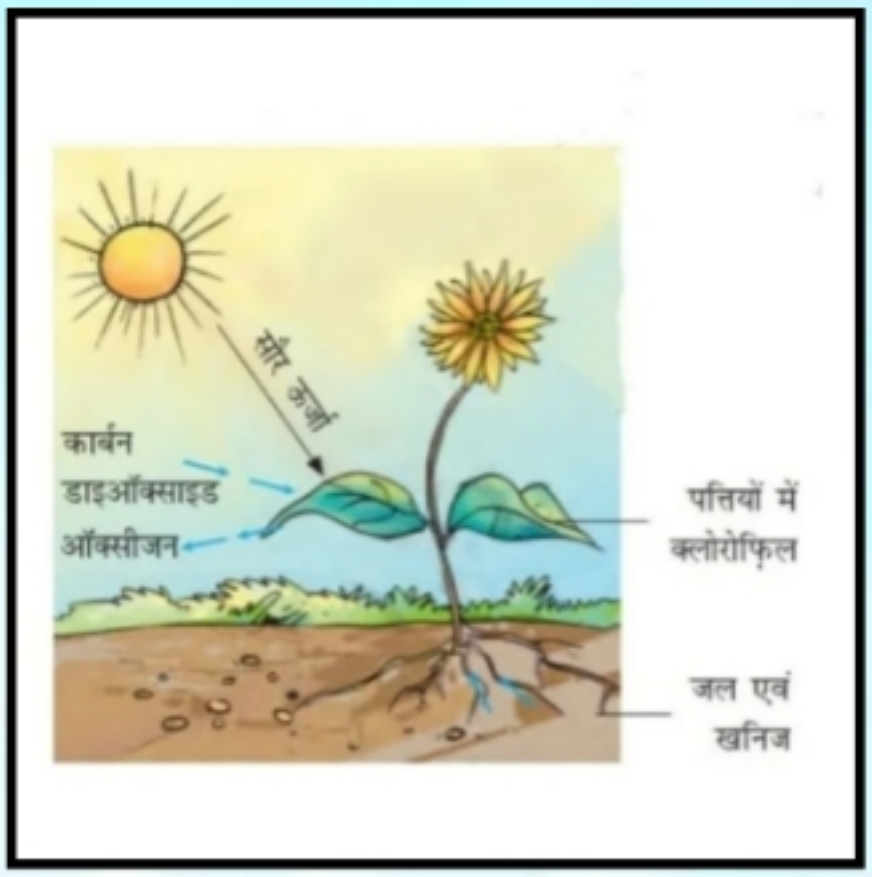

पत्तों के छोटे छेदों से,
कार्बन डाइऑक्साइड आती है।
सूर्य देव की किरणों से,
नई ऊर्जा मिल जाती है।।

हरे रंग का क्लोरोफिल,
पत्तों में काम दिखाता है।
हवा, रोशनी, पानी मिलकर,
अपना भोजन बनाता है।।

स्वपोषी कहलाते पौधे,
जग का पेट भरते हैं।
बिना किसी की सहायता के,
खुद पर निर्भर रहते हैं।।

रचना:-
शालिनी गुप्ता (स०अ०)
कम्पोजिट स्कूल मुर्धवा
म्योरपुर, सोनभद्र

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान।

दिनांक 20.05.2026

काव्यांजलि

2837

दिन बुधवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 6, विषय- महान व्यक्तिव, पाठ- 10

महात्मा बुद्ध

शुदधोधन नाम का राजा,
उनके पुत्र का नाम सिद्धार्थ।
उनके व्यवहार में अनोखा पन,
जिज्ञासु प्रकृति के थे सिद्धार्थ।।

गृहस्थ जीवन में मन न लगता,
राजसी जीवन का किया त्याग।
कठिन साधना की बुद्ध कहलाये,
सांसरिक वस्तुओं से लिया सन्यास।।

दया, स्नेह, करुणा अपनाओ,
सुन्दर ह्रदय सबसे बड़ा है धन।
सहनशीलता से मन काबू में रहता,
महात्मा बुद्ध के थे ऐसे वचन।।

अपने विचारों से प्रसिद्धि पायी,
भाई-चारे को अपनाया था।
महात्मा बुद्ध ने अपने उपदेशों से,
हर दिल में जगह बनाया था।।

रचना:-

शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० भौंरी- 1
मानिकपुर, चित्रकूट

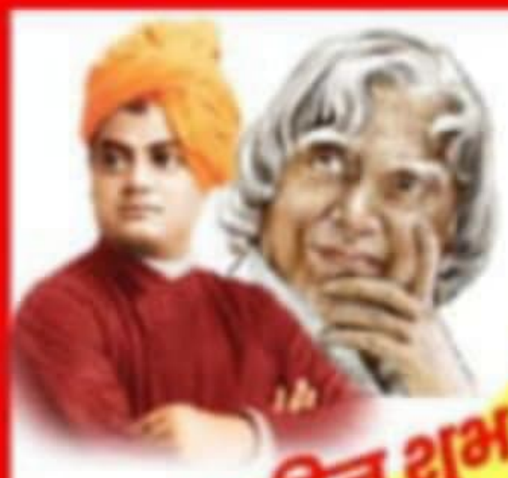

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।
दिनांक 21.05.2026
काव्यांजलि 2838
दिन गुरुवार
आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 04 विषय- वीणा पाठ-03

नीम

ना मैं राजा, ना मैं डॉक्टर, ना कोई हकीम,
सीधा-सादा पेड़ हूँ मैं, नाम है मेरा नीम।
मेरी टहनी दांतों को चमकाती जैसे मोती,
मेरी छाल से रोगों की है दूर भागती टोली।।

कड़कती धूप में शीतल,
ठंडी छाया देता हूँ
बदले में मैं तुमसे बोलो,
क्या कुछ लेता हूँ?

शुद्ध हवा का झोंका हूँ मैं,
आँगन की हूँ शान,
मुझको तुम कम मत समझना,
मैं हूँ बड़े महान।।

सूखी पत्ती गरम कपड़ों में जब रख देते हो,
कीड़ों और सीलन से तुम उन्हें बचा लेते हो।
जब तक मैं हूँ धरती पर, हरियाली मुस्काएगी,
बीमारी भी पास तुम्हारे कभी न आने पाएगी।

रचना:-

सुधांशु श्रीवास्तव(स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय मणिपुर
ऐरायां, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

दिनांक
22 मई
2026

काव्यांजलि
2839

दिन
शुक्रवार

आपका दिन शुभ हो।

भूगोल पाठ- 1 कक्षा- 6

हमारा सौरमण्डल (चन्द्रमा)

पृथ्वी का एकमात्र उपग्रह,
सुनो! नाम है उसका चन्द्रमा।
पृथ्वी से एक चौथाई व्यास,
निकट है पृथ्वी के चन्द्रमा।।

है एक आकाशीय पिण्ड,
जानों इसकी कितनी है दूरी।
3 लाख 84 हज़ार किलोमीटर,
जानों पृथ्वी से है इसकी दूरी।।

सूर्य प्रकाश से प्रकाशित होता,
प्रकाश को कहते हैं चाँदनी।
परावर्तित प्रकाश जब पड़ता,
पृथ्वी पर फैले यह चाँदनी।।

सर्वाधिक निकट है पृथ्वी के,
इसलिए दिखता है यह बड़ा।
रात्रि के समय आकाश में,
दिखता है सबसे चमकीला।।

रचना:-

रुखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट स्कूल अहरौरा
जमालपुर, मीरजापुर

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान।

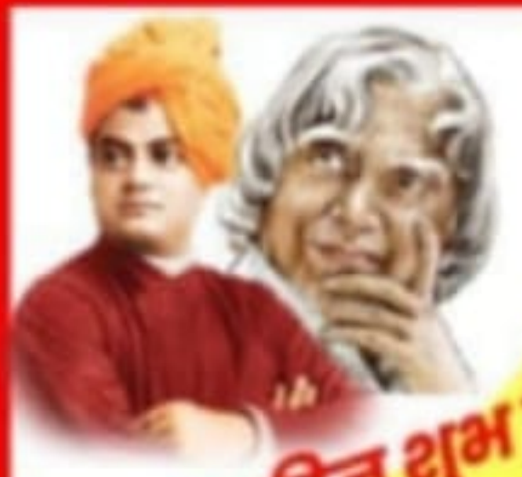

आपका दिन शुभ हो।

दिनांक 23.05.2026

काव्यांजलि

2840

दिन शनिवार

वीरों का कैसा हो वसन्त पाठ-03, भाग-02

हो चाहे प्रिय का रस-विलास,
मोहक अधरों का मधुर हास।
ऐ कुरुक्षेत्र! अब बतलाओ,
हल्दीघाटी मत इठलाओ।।

लंका का कैसे हुआ पतन?
किसने कर डाला उसे दहन?
इतिहास बता अपने अनुभव,
वीरों की महिमा का गौरव।।

राणा का कह दो त्याग अमर,
भूषण कवि का वह छन्द सुघर।
स्मृतियों के खोलो कपाट,
उन्नत है हिमगिरि का ललाट।।

हैं पूछ रही स्मृतियाँ ज्वलन्त,
भूषण के पूछे अमर छन्द।
क्यों है गाथा का गान बन्द?
हैं पूछ रहे सब दिग-दिगन्त,
वीरों का कैसा हो वसन्त?

रचना:-

शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

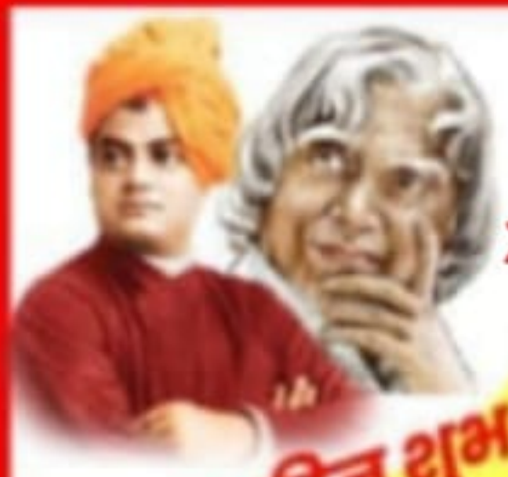

दिनांक 25/05/2026

काव्यांजलि

2841

दिन सोमवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 8

विषय- गणित

इकाई- 6, संख्याओं से खेल

विभाज्यता के नियम (भाग- 2)

जिस संख्या का अंक इकाई,
शून्य या संख्या पाँच होता है।
जानो फिर पूर्णतः विभाजित,
वह संख्या पाँच से होता है।।

जब कोई संख्या विभाजित,
संख्या दो, तीन दोनों से होती है।
गाँठ बाँध लो वह संख्या फिर,
विभाजित छः से होती है।।

इकाई अंक को दोगुना कर,
शेष संख्या से जब घटाते हैं।
अन्तर विभाजित होता यदि सात से,
मूल संख्या विभाजित सात से पाते हैं।।

संख्या का अंतिम तीन अंक,
जब विभाजित आठ से होता है।
वह संख्या फिर निश्चित समझो,
विभाजित आठ से भी होता है।।

विभाज्यता के नियम

5	5 से विभाज्य: अंतिम अंक 0 या 5 हो।	उदाहरण: 45 ✓ | 230 ✓ | 127 ✗
6	6 से विभाज्य: 2 और 3 दोनों से विभाज्य हो।	उदाहरण: 84 ✓ | 25 ✗
7	7 से विभाज्य: अंतिम अंक को दुगना कर घटाएं।	उदाहरण: 203 → 14 ✓ | 215 → 11 ✗
8	8 से विभाज्य: अंतिम 3 अंक 8 से विभाज्य हो।	उदाहरण: 512 ✓ | 346 ✗

रचना:-

सुमन सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० बिल्ली
वि० क्षे०- चोपन, सोनभद्र

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

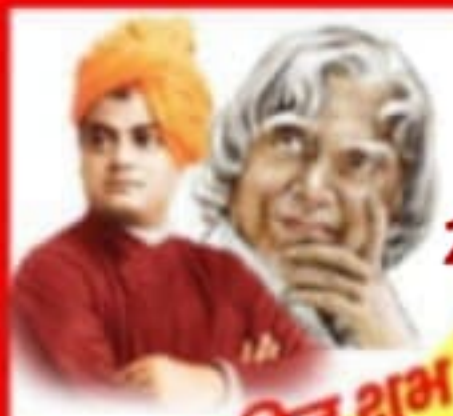

आपका दिन शुभ हो।

दिनांक 26.05.2026

काव्यांजलि

2842

दिन मंगलवार

कक्षा- 6, विषय- गृह शिल्प, पाठ- 08

बुनाई कला

ठण्डी आयी, ठण्डी आयी,
ठण्डी-ठण्डी चली पुरवायी।
स्वेटर, टोपी, मोजा लाओ,
शरीर को ठण्डक से बचाओ।।

गरम कपड़े ऊन से बनाते,
ऊन भेड़ की बाल से बनाते।
ऊन कई किस्म की आती,
मशीन, हाथ से बुनी जाती।।

बकरी, ऊँट, खरगोश के बाल,
इनकी ऊन बड़ी बेमिसाल।
अपने मन की ऊन ले आओ,
कई डिजाइन के स्वेटर बनाओ।।

ऊन का पहले गोला बनाना,
सलाई को उपयोग में लाना।
सुन्दर गरम कपड़े बनाओ,
अपने बच्चों को पहनाओ।।

रचना:-

शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० भौंरी- 1
मानिकपुर, चित्रकूट

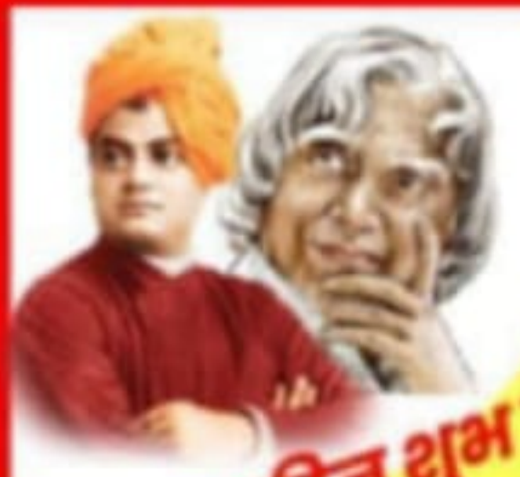

आपका दिन शुभ हो।

दिनांक 27.05.2026

काव्यांजलि

2843

दिन बुधवार

कक्षा- 04 विषय- वीणा पाठ-03

राजेन्द्र प्रसाद

पाँचवे या छठवें बरस में,
शुरू की फ़ारसी की पढ़ाई।
आये पढ़ाने मौलवी साहब,
घर में बटी मिठाई।।

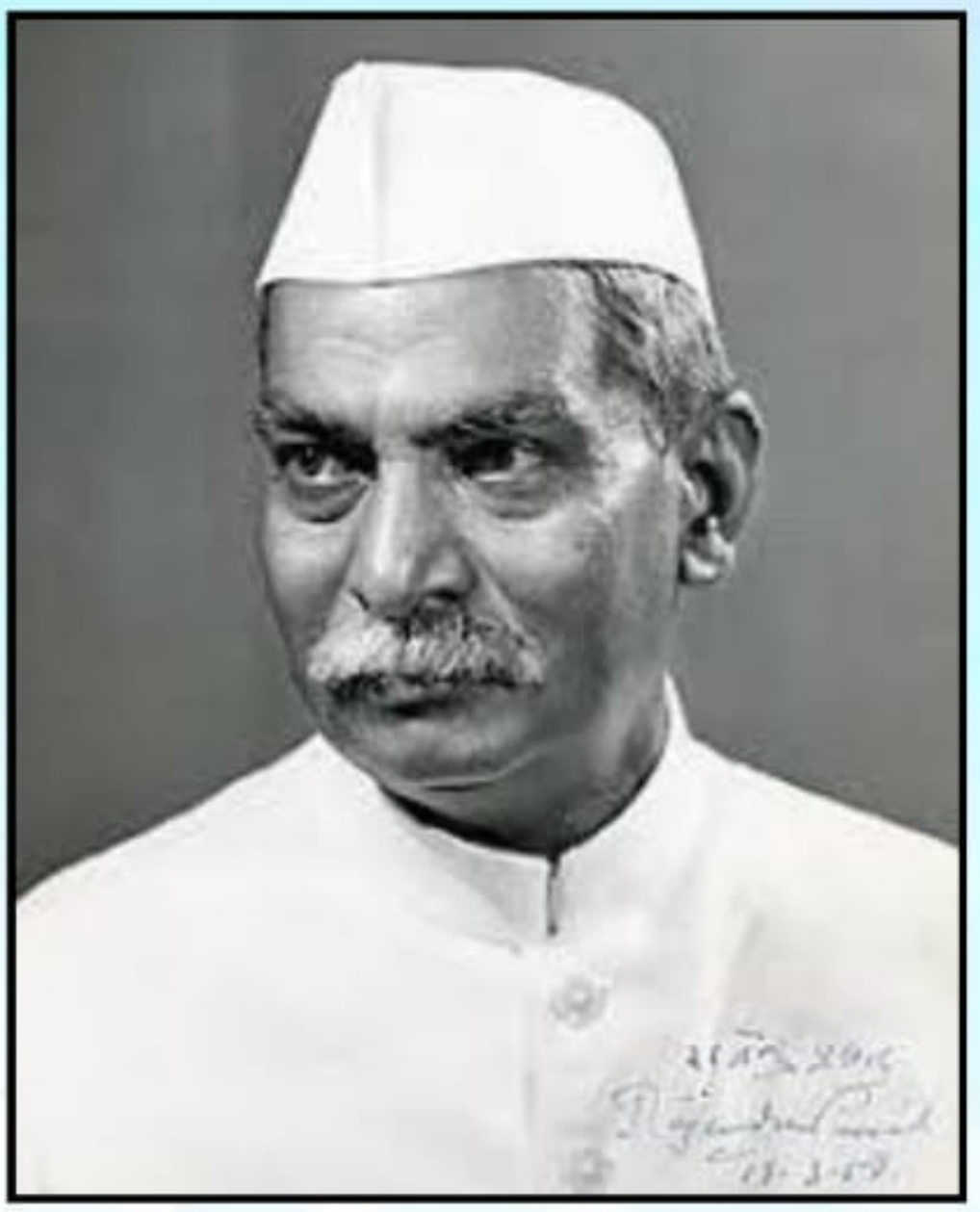

राजेन्द्र प्रसाद और दो,
कुटुम्ब के थे दो भाई।
फ़ारसी पढ़ने के साथ,
गिनती की भी थी पढ़ाई।।

मजाक पसन्द थे मौलवी साहब,
बहुत सी बातों पर था दावा।
शतरंज में थी उनकी दिलचस्पी,
बलदेव चचा ने उन्हें खूब था हराया।।

कुछ दिन के बाद नए मौलवी आये,
पढाई के बाद तख्तपोश पर सोये जाये।।
जो जल्दी सबक याद कर लाता,
उसे तुरन्त नया सबक दिया जाता।।

रचना:-

सुधांशु श्रीवास्तव(स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय मणिपुर
ऐरायां, फतेहपुर

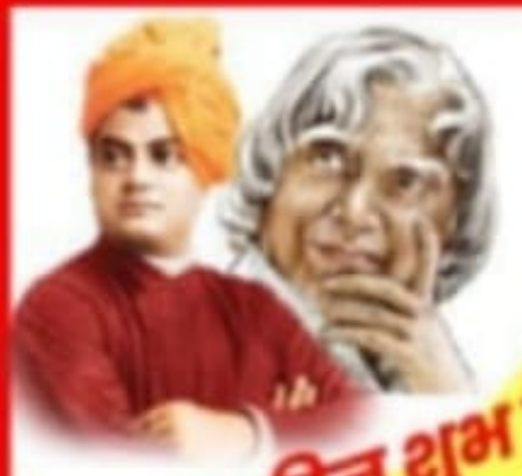

दिनांक
28.05.2026

काव्यांजलि
2844

दिन
गुरुवार

आपका दिन शुभ हो।

बहता पानी निर्मला पाठ-04, भाग-01

नक्शे देखना तरह-तरह के,
बचपन से ही शौक चढ़ा।
नक्शों के सहारे सैर पे जाना,
लेखक को था सुलभ बड़ा।।

घूमा-भटका बहुत जगह पर,
मन को नहीं सन्तोष मिला।
हर क्षण मन में आता रहता,
नयी जगह पर जाए चला।।

कई तरीके यात्रा के हैं,
सबसे अच्छा एक ही होता।
करें इरादा और कहीं का,
और कहीं को जाना होता।।

लोग बनाएँ बातें अगर तो,
मत कीजे उनकी परवाह।
कहिए जाने को मुम्बई और,
श्रीनगर की चलिए राह।।

रचना:-
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

new text

काव्यांजलि 2845

दिनांक 29 मई 2026

दिन शुक्रवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा 7 विषय-विज्ञान पाठ 6

पौधों में पोषण (भाग 2)

अमरबेल जैसे कुछ पौधे,
औरों का रस पीते हैं।
विषमपोषी बनकर वे,
परजीवी संग जीते हैं।।

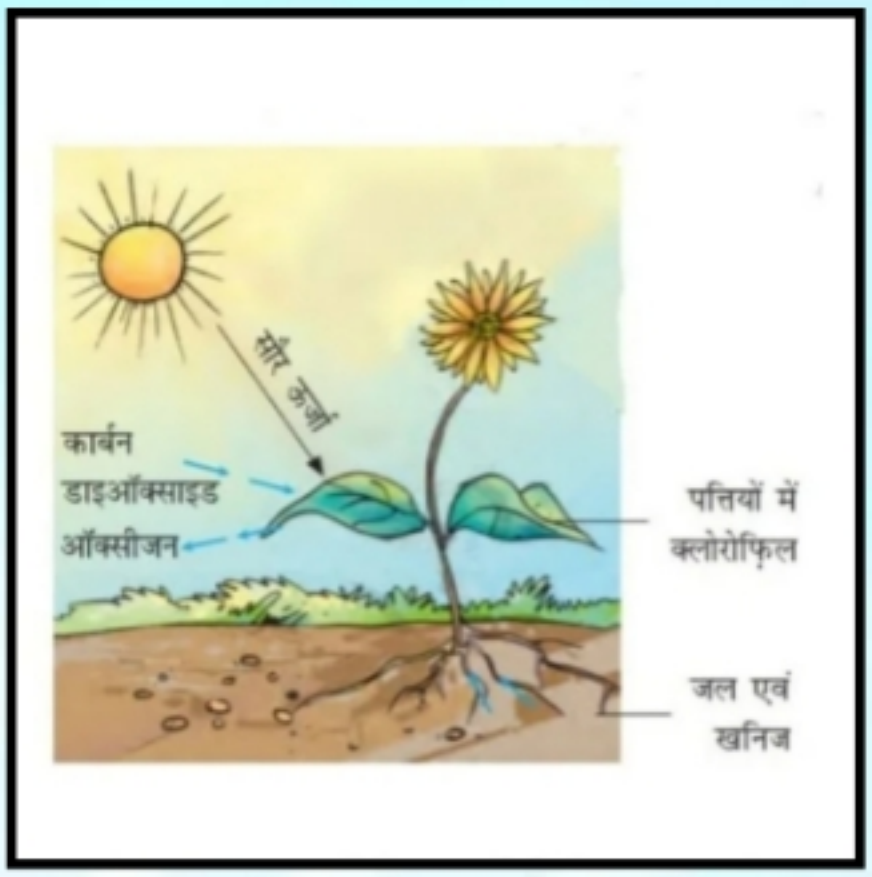

घटपर्णी तो जाल बिछाकर,
कीटों को खा जाता है।
नाइट्रोजन की कमी मिटाने,
मांसाहारी बन जाता है।।

सहजीवी संबंध अनूठा,
काई और कवक का नाता।
एक दे खाना दूजा पानी,
मिलकर जीवन है भाता।।

पोषण की यह अद्भुत गाथा,
विज्ञान हमें सिखाता है।
पेड़ लगाओ जीवन बचाओ,
यही संदेश सुनाता है।।

रचना:-
शालिनी गुप्ता (स०अ०)
कम्पोजिट स्कूल मुर्धवा
म्योरपुर, सोनभद्र

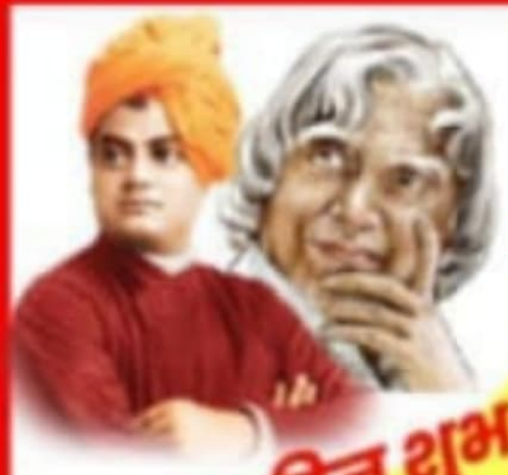

दिनांक 30/05/2026

काव्यांजलि

2846

दिन शनिवार

आपका दिन शुभ हो।

इकाई- 6, संख्याओं से खेल

कक्षा- 8
विषय- गणित

विभाज्यता के नियम (भाग- 3)

संख्या के अंकों का योगफल,
यदि विभाजित नौ से होता है।
फिर वह संख्या समझ लो तुम,
विभाज्य नौ से पूर्णतः होता है।।

किसी संख्या का अंक इकाई,
शून्य जब भी बच्चों! देखो तुम।
दस से विभाजित वह संख्या है,
झटपट बच्चों! कह देना तुम।।

करो योग सम स्थानों के अंकों का,
और अलग विषम स्थानों के अंकों का।
यदि अंतर इनका शून्य या ग्यारह आता,
संख्या ग्यारह से विभाजित कहलाता।।

यदि दी गयी संख्या विभाजित,
संख्या तीन व चार दोनों से होती है।
फिर वह संख्या समझ लो बच्चो!
बारह से भी विभाजित होती है।।

(Divisibility Rules)

9 से विभाज्यता
अंकों का योग 9 से विभाज्य हो।
उदाहरण: 5769 → 5+7+6+9 = 27 ✔

10 से विभाज्यता
अंतिम अंक 0 हो।
उदाहरण: 20, 100, 970

11 से विभाज्यता
विषम-सम स्थान योग का अंतर 0 या 11 हो।
उदाहरण: 1826 → (8+6)-(2+1)=11 ✔

12 से विभाज्यता
संख्या 3 और 4 दोनों से विभाज्य हो।
उदाहरण: 864 → 3 और 4 दोनों से

रचना:-

सुमन सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० बिल्ली
वि० क्षे०- चोपन, सोनभद्र

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि

मई-2026

शामिल रचनाकार

*2821- रुखसार परवीन
*2822- शहनाज बानो
*2823- सुधांशु श्रीवास्तव
*2824- नैमिष शर्मा
*2825- शिखा वर्मा
*2826- अरविन्द कुमार सिंह
*2827- रुखसाना बानो
*2828- मृदुला वर्मा
*2829- फराह हारुन
*2830- नैमिष शर्मा
*2831- शिखा वर्मा
*2832- रुखसाना बानो
*2833- सुधांशु श्रीवास्तव
*2834- सुमन सिंह
*2835- अरविन्द कुमार सिंह
*2836- शालिनी गुप्ता
*2837- शहनाज बानो
*2838- सुधांशु श्रीवास्तव
*2839- रुखसाना बानो
*2840- शिखा वर्मा
*2841- सुमन सिंह
*2842- शहनाज बानो
*2843- सुधांशु श्रीवास्तव
*2844- शिखा वर्मा
*2845- शालिनी गुप्ता
*2846- सुमन सिंह